राग शुद्ध बिलावल में 'ॐ नमः शिवाय'
गुरुमाई चिद्विलासानन्द के साथ मन्त्रधुन

ॐ नमः शिवाय

राग शुद्ध बिलावल

ॐ नमः शिवाय

ॐ। मैं शिव को नमन करता हूँ जो मंगलमय हैं, जो परम आत्मा हैं।

जेनेवीव जोशी द्वारा परिचय

'ॐ नमः शिवाय' एक पवित्र मन्त्र है। इस मन्त्र के प्रत्येक शब्द का एक-एक वर्ण महान शक्ति से अनुप्राणित है। इस मन्त्र का जप व्यक्ति को सीधे उसके अपने हृदय तक ले जा सकता है और उसे अन्तर व बाह्य शान्ति का बोध करा सकता है।

सिद्धयोग पथ पर मन्त्र 'ॐ नमः शिवाय' एक दीक्षा मन्त्र है। सिद्धयोग के श्रीगुरु, साधकों की कुण्डलिनी शक्ति जाग्रत करने के लिए उन्हें मन्त्र 'ॐ नमः शिवाय' प्रदान करते हैं।

१५ अगस्त १९४७ की सुबह, भगवान नित्यानन्द ने बाबा मुक्तानन्द को अपनी पादुकाएँ दीं; और पादुकाएँ देते समय उन्होंने बाबा जी को मन्त्र 'ॐ नमः शिवाय' प्रदान किया।

'ॐ नमः शिवाय' का अर्थ है, "ॐ—वह आदि नाद जो स्पन्दित होता रहता है। मैं शिव को नमन करता हूँ, जो मंगलमय हैं, जो परम आत्मा हैं।" अपने श्रीगुरु, भगवान नित्यानन्द से यह मन्त्र मिलने के बाद बाबा जी को मन्त्र के सच्चे अर्थ व शक्ति की अनुभूति हुई। बाबा जी को इस मन्त्र के माध्यम से शक्तिपात दीक्षा प्राप्त हुई और इसके बाद से वे इस दिन का यानी १५ अगस्त का सम्मान अपने 'दिव्य दीक्षा दिवस' के रूप में करने लगे।

सिद्धयोग पथ पर सिद्धयोगी जिन तरीक़ों से बाबा जी की दिव्य दीक्षा का सम्मान करते हैं, उनमें से एक है, पवित्र मन्त्र, 'ॐ नमः शिवाय' की मन्त्रधुन गाना। इस पृष्ठ पर दी गई ऑडिओ रिकॉर्डिंग, गुरुमाई चिद्विलासानन्द के साथ हुए एक सिद्धयोग सत्संग से है। आप श्रीगुरुमाई व सिद्धयोग संगीत मण्डली को राग शुद्ध बिलावल में 'ॐ नमः शिवाय' की मन्त्रधुन गाते हुए सुनेंगे। यह राग, आनन्द व स्नेह के रस से भरा है जो क्रियाशील भी है और सौम्य भी। मन्त्रधुन को आप सहजता से गा सकें इसके लिए आप पहले सुन सकते हैं और फिर उसे दोहरा सकते हैं।

© २०२२ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।